www.aerb.gov.in

जनवरी– मार्च 2019

एईआरबी

ई-न्यूजलैटर

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद

एईआरबी का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत में आयनीकारक विकिरण तथा नाभिकीय ऊर्जा के कारण लोगों के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण को किसी भी प्रकार का अवांछित जोखिम न हो।

विषय सूची

अध्यक्ष की कलम से 2
संरक्षा समीक्षा तथा नियमन 4
संरक्षा समीक्षा एवं विकिरण सुविधाओं में प्रवर्तन कार्रवाई 4
'मैक्सिमम गवर्नेंस एवं मिनिमम गवर्मेंट' की दिशा में उठाए गए कदम 5
अतंर्राष्ट्रीय सहयोग 5
एईआरबी में राष्ट्रीय संरक्षा दिवस/ संरक्षा सप्ताह समारोह 6
परिचर्चा बैठक/ सेमिनार/ जागरुकता कार्यक्रम 7
संरक्षा संबंधी प्रचार गतिविधियां 11
मानव संसाधन का विकास 11
स्वच्छता पखवाडा 12
राजभाषा कार्यान्वयन 14
एईआरबी में महिला दिवस समारोह 14
एईआरबी के संगठन में परिवर्तन 15
भर्ती / सेवानिवृत्ति 17
फीडबैक 17

अध्यक्ष की कलम से

नववर्ष के प्रारम्भ में, मैंने इस प्रतिष्ठित संगठन के अध्यक्ष का कार्यभार संभाला। यद्यपि मैं परमाणु क्षेत्र से लंबे समय से जुड़ा रहा हूं, मैंने यह बड़ी जिम्मेदारी आयनीकारक विकिरण के उपयोग से लोगों और पर्यावरण को अनुचित जोखिम उठाने से बचने के लिए एवं एईआरबी के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए ली है।

परमाणु और विकिरण प्रौद्योगिकी से बिजली उत्पादन के साथ-साथ चिकित्सा, उद्योग, कृषि और अनुसंधान के क्षेत्र में विकिरण के अनुप्रयोगों में लोगों को सुरक्षित रूप से सेवा मिलनी चाहिए।

एईआरबी के भूतपूर्व अध्यक्षों द्वारा स्थापित उत्कृष्ट प्रणालियों के अनुरूप एईआरबी की काबिल टीम द्वारा सभी नियामक गतिविधियों को सुचारू रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है।

हाल ही में एईआरबी में घाना परमाणु ऊर्जा आयोग के प्रतिनिधिमंडल से मिलकर और हमारे द्वारा अपनायी जा रही नियामक प्रणालियाँ को उनसे साझा करके हमें बहुत खुशी हुई ।

एईआरबी की टीम ने आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में तेल ड्रिलिंग साइट से विकिरण स्रोत को पुनर्प्राप्त करने में संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय करने में तत्परता और समझदारी से काम लिया। सही सलामत विकिरण स्रोत का पता लगाने में संबंधित अधिकारियों के प्रयास सराहना योग्य हैं।

'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' की दिशा में निरंतर प्रयासों के साथ, एईआरबी ने ऑनलाइन वेब आधारित ई-लोरा (ई-लाइसेंसिंग ऑफ रेडिएशन एप्लिकेशन्स) प्रणाली के माध्यम से कुछ आवश्यकताओं को स्वचालित करके छोटे विकिरण पदार्थों का उपयोग करने वाले "उपभोक्ता उत्पादों" की लाइसेंस प्रक्रिया को और सरल कर दिया है। एईआरबी ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा विकसित ई-ऑफिस प्रणाली लागू की है, जो प्रस्तावों पर त्वरित कार्रवाई में मदद कर रही है।

इस तिमाही में संरक्षा संबंधी थीम आधारित संगोष्ठियों का आयोजन, हमारे हितधारकों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर परिचर्चा से संबंधित संगोष्ठी जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसे ई-न्यूज़लेटर के इस अंक में

विस्तार से बताया गया है। राष्ट्रीय संरक्षा दिवस / संरक्षा सप्ताह के अवसर पर, कार्यस्थल सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से हमारे कर्मचारियों के लिए 1 मार्च 2019 को परस्पर संवाद पर आधारित एक सत्र आयोजित किया गया था।

एईआरबी देश के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के विस्तार की नियामक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये प्रतिबद्ध है। गुजरात (केएपीपी-3 एवं 4), राजस्थान (आरएपीपी-7 एवं 8) और हरियाणा (जीएचएवीपी -1 एवं 2) में छह स्वदेशी 700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर इकाइयों के लिए आवश्यक विनियामक मंजूरी दे दी गई है। एईआरबी परमाणु और विकिरण सुविधाओं के अपने नियामक निरीक्षण कार्यक्रम को जारी रखकर उल्लंघन करने वाले संगठनों पर उचित प्रवर्तन कार्रवाई कर रही है।

मुझे पूरी उम्मीद है कि नए साल 2019 में हम एईआरबी के मिशन को ध्यान में रखते हुए संरक्षा सुनिश्चितता को बढ़ाने के लिए जोश और उत्साह के साथ काम करना जारी रखेंगे।

मैं इस सूचनापरक ई-समाचार पत्र को प्रकाशित करने के लिए संपादकीय टीम के प्रयासों की सराहना करता हूं। हमारी प्रक्रियाओं में और सुधार लाने और आगे बढ़ाने के लिए आपके सुझाव और प्रतिक्रिया अपेक्षित हैं ।

जी. नागेश्वरराव

(जी. नागेश्वर राव)

संरक्षा समीक्षा तथा नियमन

परमाणु और विकिरण सुविधाओं की सहमति

- फैक्टरी अधिनियम, 1948 के तहत एचडब्ल्यूपी-हजीरा के परिचालन के लिए लाइसेंस का नवीकरण
- फैक्टरी अधिनियम, 1948 के तहत केकेएनपीपी -1 और 2 के परिचालन के लिए लाइसेंस का नवीकरण
- फास्ट ब्रीडर टेस्ट रिएक्टर (FBTR), कलपक्कम में अगले किरणन अभियान के लिए अनुमोदन
- प्रदर्शन द्रुत गति रिएक्टर ईंधन संसाधन संयंत्र (डीएफआरपी), कलपक्कम में प्रयुक्त अम्ल-विलायक प्रक्रिया के लिए विनियामक मंजूरी

संरक्षा समीक्षा एवं विकिरण सुविधाओं में प्रवर्तन कार्रवाई

गामा विकिरण प्रसंस्करण सुविधा के लिए एजिंग प्रबंधन अध्ययन

चिकित्सा उत्पादों के निर्जीवाणुकरण के लिए पहला वाणिज्यिक विकिरण संयंत्र ISOMED जिसे हाल ही में खाद्य उत्पादों के संरक्षण के लिए उन्नत किया गया है तथा जिसमें कोबाल्ट- 60 रेडियोधर्मी समस्थानिक का उपयोग किया जाता है, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की सहायता से भारत में परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी), ट्रॉम्बे में 1974 में परमाणु ऊर्जा विभाग (डीईए) द्वारा स्थापित किया गया था।

चार दशक से अधिक समय तक इस सुविधा के सुरक्षित और निरंतर सफल प्रचालन के बाद, निरंतर सुरक्षित प्रचालन सुनिश्चित करने हेतु सुदृढीकरण और नवीकरण के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए एक व्यापक एजिंग प्रबंधन अध्ययन शुरू किया गया ।

अध्ययनों के अंतर्गत, एईआरबी के विशेषज्ञों ने कंक्रीट संरचना में शीतलन कॉइल विन्यास का थर्मल विश्लेषण किया, जिसमें बहुत अधिक तीव्रता वाले रेडियोधर्मी स्रोत हैं। इस विश्लेषण में बहु-भौतिकी कम्प्यूटेशनल उपकरणों का उपयोग किया गया तथा इससे निरंतर सुरक्षित प्रचालन हेतु इस सुविधा के नवीकरण के लिए डिजाइन में सहायता मिली।

विकिरण सुविधाओं में प्रवर्तन कार्रवाई

एईआरबी को अस्वीकृत साइटों पर भंडारण / उपयोग के कारण आगरा में दो और राजकोट में दो औद्योगिक रेडियोग्राफी उपकरणों (गुजरात आधारित 2 रेडियोग्राफी सुविधाओं से संबंधित) को सील करना पड़ा ।

इसके बाद, सभी औद्योगिक रेडियोग्राफी संस्थानों को नियामक आवश्यकताओं का अनुपालन करने का निर्देश दिया गया । रेडियोग्राफी उपकरणों के स्थान के संबंध में ई-लोरा में दी हुई जानकारी से किसी भी विसंगति के बारे में जानकारी मिलने पर इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी।

'मैक्सिमम गवर्नेंस एवं मिनिमम गवर्मेंट' की दिशा में उठाए गए कदम

- एईआरबी ने ई-ऑफिस प्रणाली लागू की है जिसे राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा विकसित किया गया है । यह सरकारी कार्यालयों में प्रयोग के लिए बनाया गया एक मानक उत्पाद है। एईआरबी में ई-ऑफिस का कार्यान्वयन विभिन्न प्रशासनिक कार्यों जैसे लीव मैनेजमेंट, टूर मैनेजमेंट, ई-फाइल (फाइल ट्रैकिंग) के साथ-साथ एईआरबी के विनियामक कार्यों से सबंधित आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। इस सिस्टम के प्रयोग से कागज के उपयोग में कमी आयी है और कारवाई में लगने वाला समय भी कम हुआ है।

- आयनकारी विकिरण का उपयोग करने वाले "उपभोक्ता उत्पादों" में से कुछ के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सुविधाजनक और सरल बनाने के लिए, एक अपेक्षाकृत कम जोखिम वाले उपकरण की उपकरण प्राप्ति सूचना और स्रोत रसीद सूचना (इक्वीपमेंट रिसीप्ट इंटिमेशन एंड सोर्स रिसीप्ट इंटिमेशन), जो कि पूर्व-आवश्यकता के रूप में आवश्यक है, ईएआरबी की ऑनलाइन वेब आधारित प्रणाली eLORA (ई-लाइसेंसिंग ऑफ रेडिएशन एप्लिकेशन) के अंतर्गत स्वचालित किया गया है।

अतंर्राष्ट्रीय सहयोग

परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) और घाना परमाणु ऊर्जा आयोग (जीएईसी) के प्रतिनिधिमंडल के बीच एक द्विपक्षीय बैठक 28 जनवरी, 2019 को एईआरबी में आयोजित किया गया जिसमें प्रो बी.जे.बी. न्यारको और डॉ नी क्वाशी अलॉटी, जीएईसी के महानिदेशक ने भाग लिया । चर्चा मुख्य रूप से परमाणु और विकिरण सुविधाओं के लिए भारतीय परमाणु नियामक के बुनियादी ढांचे और एईआरबी के नियामक निरीक्षण पर केंद्रित थी।

अध्यक्ष, एईआरबी जीएईसी के प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत करते हुए

IAEA-CNS अधिकारियों की टर्नओवर बैठक

भारतीय अधिकारियों ने विियाना में 19-21 मार्च, 2019 को IAEA-CNS अधिकारियों की टर्नओवर बैठक में भाग लिया।

एईआरबी में राष्ट्रीय संरक्षा दिवस/ संरक्षा सप्ताह समारोह

राष्ट्रीय संरक्षा दिवस / संरक्षा सप्ताह के अवसर पर, कार्यस्थल सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एईआरबी के कर्मचारियों के लिए 1 मार्च, 2019 को एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया । सत्र के दौरान, व्यावसायिक संरक्षा के कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं का चित्रण करते नेतृत्व, कार्यस्थल पर खतरे की पहचान, कार्मिकों की क्षमता, निर्णय लेने में कर्मचारी की भागीदारी और संरक्षा में अभिनव प्रयासों के लिए प्रोत्साहन सबंधी वीडियो क्लिप दिखाये गये और प्रतिभागियों को वीडियो में दिखाये गये व्यावसायिक संरक्षा पहलुओं के बारे में टिप्पणियाँ देने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके बाद, डीईए की इकाइयों में घटी कुछ घातक दुर्घटनाओं पर एक प्रस्तुति हुई और इन घातक दुर्घटनाओं के मूल कारणों के बारे में प्रतिभागियों के बीच इंटरैक्टिव चर्चा हुई।

राष्ट्रीय संरक्षा दिवस समारोह में दर्शकों से बात करते हुए श्री जी. नागेश्वर राव , अध्यक्ष, प.ऊ.नि.प

कार्यकारी निदेशक, एईआरबी ने अपने भाषण में, सामान्य कार्य में ज़रा सी चूक से होने वाली घटनाओं के कुछ उदाहरण देकर कार्यस्थल संरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि सभी को कार्यस्थल को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। सत्र का समापन अध्यक्ष, एईआरबी द्वारा समापन टिप्पणियों के साथ किया गया। उन्होंने ज़रा सी चूक से होने वाली घटनाओं के बारे में अपने स्वयं के अनुभवों को साझा किया और व्यावसायिक संरक्षा के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से बताया।

इस इंटरैक्टिव सत्र में, AERB अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सत्र की विषय-वस्तु की सराहना की।

परिचर्चा बैठक/ सेमिनार/ जागरुकता कार्यक्रम

एईआरबी अपने हितधारकों के लिए परिचर्चा बैठकों एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करता है और डीएई और अन्य निकायों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भी भाग लेता है जिसमें एईआरबी की भूमिका, नियामक प्रक्रियाओं और कार्यों और संरक्षा आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्रसारित करता है कि लोगों और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना आयनकारी विकिरणों के स्रोतों को सुरक्षित रूप से उपयोग में लाया जाता है । इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य परमाणु ऊर्जा और विकिरण के सुरक्षित उपयोग की आम धारणा में सुधार करना है एवं शांतिपूर्ण और लाभकारी उद्देश्य के लिए विकिरण के बारे में मिथकों द्वारा उत्पन्न भय को समाप्त करने के लिए जनता को सही जानकारी प्रदान करना है।

'अंशांकन और परीक्षण रेडियोलॉजिकल प्रयोगशालाओं' के लिए विशेष बैठक

हाल ही में, परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) और नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज (एनएबीएल) ने संयुक्त रुप से अंशांकन और परीक्षण उद्देश्यों के लिए रेडियोलॉजिकल मापन और परीक्षण प्रयोगशालाओं की मान्यता प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक समझौता किया है। अपने अधिदेश के अनुसार, एईआरबी परमाणु ऊर्जा (विकिरण संरक्षण) नियम, 2004 के अनुसार इन प्रयोगशालाओं को रेडियोलॉजिकल सुरक्षा के दृष्टिकोण से विनियमित करना जारी रखेगा। इसी तरह, एनएबीएल परीक्षण और अंशांकन गतिविधियों में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली बनाए रखकर रेडियोलॉजिकल प्रयोगशालाओं के परीक्षण और अंशांकन द्वारा प्रयोगशाला मान्यता सबंधी सेवाएं प्रदान करेगा। संबंधित हितधारकों को संसुचित रखने के लिए, एईआरबी ने मुंबई स्थित अपने मुख्यालय में 26 मार्च, 2019 को रेडियोलॉजिकल प्रयोगशालाओं के अंशांकन और परीक्षण के लिए विशेष बैठक आयोजित की। इस कार्यक्रम में विभिन्न निजी अंशांकन और परीक्षण प्रयोगशालाओं के प्रतिनिधियों, बीएआरसी, विकिरण बोर्ड और आइसोटोप प्रौद्योगिकी (ब्रिट) और राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (आरआरकैट) के विशेषज्ञों ने भाग लिया।

श्री डी. के. शुक्ला, कार्यकारी निदेशक , एईआरबी उद्घाटन भाषण देते हुए

इस अवसर पर विशेष टिप्पणी देते हुये एनएबीएल के निदेशक डॉ. अविजीत दास

सत्र के दौरान पैनलिस्ट के साथ चर्चा करते हुये प्रतिभागीगण

'बहि:स्राव निस्सरण एवं पर्यावरण सबँधी सैम्पलों में कार्बन -14 सक्रियता का मापन' पर थीम बैठक

19 फरवरी, 2019 को एईआरबी में अपशिष्ट निस्सरण और पर्यावरण के सैम्पलों में कार्बन -14 की सक्रियता के मापन पर एक दिवसीय थीम बैठक आयोजित की गई । इस थीम बैठक का उद्देश्य पर्यावरण, रिएक्टर प्रणालियों, सी -14 के कारण नाभिकीय विद्युत सन्यंत्रों के आसपास के क्षेत्रों में पर्यावरण खुराक की निगरानी सहित अपशिष्ट निपटान सबंधी सुविधाओं में सी -14 की सक्रियता को समझने के लिए आयोजित की जा रही विभिन्न आर एंड डी गतिविधियों का जायजा लेना था। बैठक को मापन विधियों के सामंजस्य के लिए भी लक्षित किया गया था जो सी -14 मापन और आगे की कार्रवाई पहचानने में विभिन्न प्रयोगशालाओं द्वारा अपनाई जानी है।

विभिन्न डीएई इकाइयों और मंगलौर विश्वविद्यालय (बीआरएनएस परियोजना के तहत) द्वारा कुल आठ अध्ययन प्रस्तुत किए गए और उन्होने अपने निष्कर्षों और अनुभवों को साझा किया। सभी प्रस्तुतियों और अध्ययनों के प्रमुख परिणामों को निम्न प्रकार संक्षेपित किया जा सकता है:

- 1963 के दौरान परमाणु परीक्षणों के कारण सी -14 की पर्यावरण सांद्रता में वृद्धि देखी गई थी और उसके बाद जीवमंडल और महासागरों के साथ इसके मिलने के कारण लगातार कमी आई।
- सी -14 की प्राकृतिक पृष्ठभूमि के कारण किसी व्यक्ति के लिए प्रभावी डोज लगभग 12 μSv / y है।
- पीएचडब्ल्यूआर में सी -14 का उत्सर्जन अन्य सभी प्रकार के रिएक्टरों की तुलना में अधिक है और इसका अधिकतम भाग मंदक प्रणाली में जनित होता है।
- सी -14 रेडियोधर्मिता को लंबे समय तक सीमित रखने के लिए रेडियोधर्मी अपशिष्टों का सीमेंटीकरण उपयुक्त है।

अध्यक्ष, एईआरबी श्री जी. नागेश्वर राव थीम मीटिंग में अध्यक्षीय भाषण देते हये

थीम मीटिंग के प्रतिभागीगण

रिएक्टर प्रणालियों में सी 14-जनन और पब्लिक डोज के इसके मार्ग के बारे में समझ विकसित करने और नियामक निरीक्षण भावी कार्रवाई की योजना बनाने के लिए यह कार्यक्रम एक सफल प्रयास था।

" रेडियोधर्मी संदूषण के लिए पर्यावरण सुधार सबंधी रणनीतियाँ " पर थीम बैठक

सेफ्टी रिसर्च इंस्टीट्यूट (SRI), एईआरबी द्वारा 14-15 मार्च, 2019 के दौरान 'रेडियोधर्मी संदूषण के लिए पर्यावरण सुधार संबंधी रणनीतियाँ' पर दो-दिवसीय थीम बैठक का आयोजन किया गया। एईआरबी, आईजीकार, भापअके, एनपीसीआईएल, भाविनि, सीएसआईआर, मैंगलोर यूनिवर्सिटी, टीएनएसडीआरएफ आदि के प्रतिनिधियों ने इस थीम मीटिंग में भाग लिया। तीन तकनीकी सत्रों में कुल दस आमंत्रित व्याख्यान शामिल थे, जिनमें रेमिडियेशन से संबंधित विषयों, विशेषकर चेरनोबिल और फुकुशिमा के अनुभवों और वर्तमान विकास को शामिल किया गया था। इस थीम बैठक से प्रतिभागियों द्वारा रेमिडियेशन दृष्टिकोणों को समझने का और उपयोगी तकनीकी के आदान-प्रदान का मार्ग प्रशस्त हुआ।

थीम मीटिंग में उद्घाटन भाषण देते हुए श्री जी. नागेश्वर राव, अध्यक्ष, एईआरबी

थीम मीटिंग के दौरान पैनल परिचर्चा

'नियामक निरीक्षण प्रक्रिया' पर थीम मीटिंग

एईआरबी ने 21 फरवरी, 2019 को मुंबई में 'नियामक निरीक्षण प्रक्रिया' पर एक थीम मीटिंग की मेजबानी की। बैठक का उद्देश्य परमाणु और विकिरण सुविधाओं के विनियामक निरीक्षण की प्रक्रिया पर अनुभव साझा करना और प्रतिक्रिया प्राप्त करना था। बैठक में नाभिकीय सुविधाओं के सभी लाइसेंसधारकों और कुछ विकिरण सुविधाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था।

बैठक के दौरान, एईआरबी की विनियामक निरीक्षण प्रक्रिया में किए गए बदलाव, जैसे निरीक्षणों की आवृत्ति, निरीक्षण निष्कर्षों की रिपोर्टिंग और निरीक्षण निष्कर्षों को संरक्षा महत्व प्रदान करने पर विचार-विमर्श किया गया। सामान्यत: प्रतिनिधियों ने एईआरबी की वर्तमान नियामक निरीक्षण प्रक्रिया की सराहना की, और आगे सुधार के लिए कुछ सुझाव भी दिए। एईआरबी में आगे की कार्रवाई के लिए पैनल परिचर्चा के दौरान इन सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया । इस बैठक में डीएई की विभिन्न इकाइयों और विकिरण सुविधाओं के लगभग 100 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

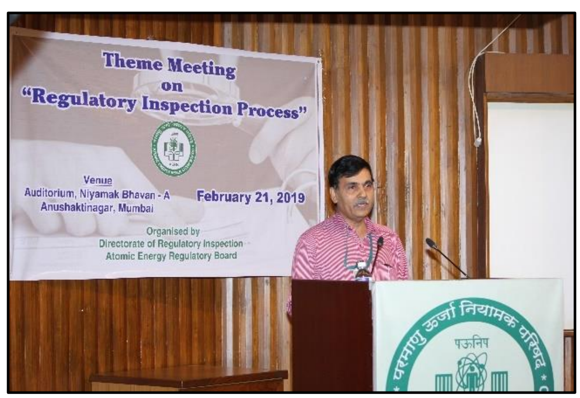

श्री डी के शुक्ला , कार्यकारी निदेशक, एईआरबी उदघाटन भाषण देते हुए

इस अवसर पर व्याख्यान देते हुए श्री एस.के. घोष, प्रधान डीआरआई, एईआरबी

संरक्षा संबंधी प्रचार गतिविधियां

विकिरण संरक्षा को बढ़ावा देने और अपने हितधारकों को एईआरबी की नियामक आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्रसारित करने की दिशा में निरंतर आउटरीच प्रयासों के एक भाग के रूप में, एईआरबी के अधिकारियों ने संकाय सदस्य के रूप में भाग लिया और नीचे दिए गए अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित सेमिनार, कार्यशालाओं और जागरूकता कार्यक्रमों में विशेष व्याख्यान दिए :

❖ NAARRI (उद्योग में रेडियो आइसोटोप और विकिरण के अनुप्रयोग के लिए राष्ट्रीय संगठन) और एस. पी. बी. पटेल इंजीनियरिंग कॉलेज, मेहसाणा ने मेहसाणा, गुजरात में फरवरी 15-16, 2019 के दौरान 'एप्लीकेशन ऑफ रेडियोआईसोटोप्स एंड एंड रेडिएशन टेक्नोलॉजी इन एग्रीकल्चर, हेल्थकेयर एंड इंडस्ट्रीज" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान डॉ. ए. यू. सोनवाने, प्रमुख, डीआरएएंडसी, एईआरबी ने ' रेडियोलॉजिकल सेफ्टी एंड रेगुलेशन इन एप्लीकेशंस ऑफ रेडिएशन सोर्सेज' पर व्याख्यान दिया। संगोष्ठी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों और चिकित्सा और अर्ध-चिकित्सा संस्थानों के छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

❖ एईआरबी के अधिकारियों ने 24 फरवरी, 2019 को टाटा मेमोरियल सेंटर (टीएमसी), मुंबई द्वारा आयोजित 'डेवलपिंग सेफ्टी कल्चर इन रेडियोलॉजी ' पर एक कार्यशाला में संकाय सदस्यों के रूप में भाग लिया और 'रेडिएशन सेफ्टी इन रेडियोलॉजी' पर व्याख्यान दिया। प्रतिभागियों ने रेडियोलॉजी सबंधी विभिन्न संरक्षा पहलुओं जैसे कि रेडियोलॉजी के विभिन्न तरीकों में संरक्षा, रोगी की खुराक अनुकूलन तकनीक, रेडियोलॉजी में उत्तम अभ्यास, टीएलडी बैज का उचित उपयोग आदि पर चर्चा की।

❖ एईआरबी अधिकारियों ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, पंजाब सरकार द्वारा पीएचएससी मोहाली, पंजाब में 21-22 फरवरी, 2019 को दो बैचों में मेडिकल रेडियोग्राफरों, हड्डी रोग विशेषज्ञों और दंत चिकित्सकों के लिए आयोजित विकिरण संरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम में संकाय के रूप में भाग लिया। । एईआरबी संकाय द्वारा विकिरण संरक्षा, ऑर्थोपेडिक्स में मेडिकल एक्स-रे उपकरण के उपयोग में विनियामक आवश्यकताएँ और eLORA प्रणाली सबंधी जानकारी दी गयी।

मानव संसाधन का विकास

प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी)

एईआरबी के वैज्ञानिक अधिकारियों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम (MDP) का आयोजन 18-22 फरवरी, 2019 को पुणे के यशवंतराव चव्हाण विकास प्रबंधन अकादमी (YASHADA) में किया गया। 5 दिन के

आवासीय कार्यक्रम में वैज्ञानिक अधिकारियों (एसओ / ई स्तर) के पहले बैच ने भाग लिया। विषयों में समय और तनाव प्रबंधन, प्रबंधन के माध्यम से शासन, प्रभावी संभाषण कौशल, अभिप्रेरणा, बैठकें और रिपोर्ट लेखन कौशल, आचार संहिता, मानव कारक इंजीनियरिंग, स्व-मूल्यांकन और SWOT विश्लेषण, नेतृत्व कौशल और पार्श्व और रचनात्मक सोच शामिल थे।

YASHADA, पुणे में एमडीपी का उदघाटन करते हुए श्री जी. नागेश्वर राव, अध्यक्ष, प.ऊ.नि.प.

प्रबंधन विकास कार्यक्रम के प्रतिभागीगण

एईआरबी विमर्शगोष्ठी

इस अवधि के दौरान विभिन्न विषयों पर एईआरबी की पांच विमर्शगोष्ठी आयोजित की गयीं जिनका विवरण निम्नानुसार है:

- सुरक्षा के लिए नेतृत्व और प्रबंधन
- KAPS-1 में दाब ट्यूब रिसाव की घटना से सीख
- चिकित्सा अधिष्ठापनों का विकिरण प्रतिरक्षण
- CANDU/PHWR एक्सीडेंट प्रोग्नोसिस पर सीएनएससी-आईएईए तकनीकी कार्यशाला पर प्रतिक्रिया
- फुकुशिमा दाइची दुर्घटना की वर्तमान एवं अद्यतन स्थिति

स्वच्छता पखवाडा

भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए "स्वच्छ भारत मिशन" के अंतर्गत, एईआरबी में 16-28 फरवरी, 2019 के दौरान स्वछता पखवाड़ा मनाया गया। एईआरबी के सभी कर्मचारियों ने स्वच्छता शपथ (स्वच्छता प्रतिज्ञा) ली। कार्य स्थल और कार्यालय परिसर और कैंटीन की सफाई जैसी विभिन्न गतिविधियाँ; पुराने / अप्रचलित अभिलेखों की छंटाई आदि की गई। अवधि के दौरान स्वछता मिशन पर नारे लेखन और पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन

किया गया। अधिकारियों को उनके कार्यस्थल पर स्वच्छता बनाए रखने और स्लोगन और पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलावा, वर्ष के दौरान अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तीन सर्वश्रेष्ठ कॉस्मेटिक कर्मचारियों को सम्मानित किया गया है।

सप्ताह के दौरान डॉ.योगेश शेजुल, भापाअके अस्पताल द्वारा “टाइप्स ऑफ फ़ीवर, प्रिलिमिनरी प्रीकॉशन अपार्ट फ्रॉम क्लीनलिनेस “ विषय पर एक वार्ता आयोजित की गई जिसमें स्वच्छता तथा स्वास्थ्यकर खाद्य पर विशेष बल दिया गया ।

स्वच्छता पुरस्कार के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करते हुये अध्यक्ष, एईआरबी

कार्यकारी निदेशक, एईआरबी से पुरस्कार ग्रहण करते हुए पोस्टर प्रतियोगिताओं के विजेता

राजभाषा कार्यान्वयन

हिंदी को बढावा देने हेतु पुरस्कार

श्री वैभव घोलप, वैज्ञानिक अधिकारी, आरएंडडीडी, एईआरबी को राजभाषा हिन्दी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने हेतु वर्ष 2017- 2018 का “हिन्दी सेवी सम्मान” प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उन्हें 2 फ़रवरी, 2019 को नाईजर, भुवनेश्वर में आयोजित 19वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में प्रदान किया गया। हिंदी शब्दावली तैयार करना, द्विभाषी सॉफ़्टवेयर का विकास एवं क्रियान्वयन, हिन्दी टंकण हेतु यूनिकोड के प्रयोग पर कर्मचारियों को प्रशिक्षण, परमाणु ऊर्जा विभाग की यूनिटों में हिन्दी प्रश्नमंच आयोजित करना आदि उनके योगदानों में शामिल हैं। वे लगभग 8 वर्षों से एईआरबी की राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ओलिक) के सदस्य हैं।

एईआरबी में महिला दिवस समारोह

श्री डा. डी. एन. मिश्रा, विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री-रोग , भापअके एईआरबी कर्मचारियों के साथ

महिलाओं की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक उपलब्धियों का स्मरण करते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च को दुनिया भर में मनाया जाता है । दशकों से, महिला दिवस समारोह का उद्देश्य उभर कर आया है और महिलाओं के प्रति सराहना, सम्मान और प्यार के उत्सव के रुप में अपनाया गया है।

8 मार्च, 2019 को एईआरबी में महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के प्रमुख डॉ. एन. मिश्रा, भापअके ने “आज की कामकाजी महिलाओं के लिए स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं' पर एक वार्ता प्रस्तुत की। वक्ता ने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के महत्व पर जोर दिया और प्रतिभागियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दिए। समारोह में नृत्य, गीत और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि शामिल थे।

महिला दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम की झलकियां

एईआरबी के संगठन में परिवर्तन

श्री एस.ए. भारद्वाज, पूर्व अध्यक्ष, एईआरबी को विदाई

एईआरबी के अध्यक्ष श्री शिव अभिलाष भारद्वाज 4 जनवरी, 2019 को एईआरबी के अध्यक्ष के पद से कार्यमुक्त हुए। श्री भारद्वाज ने 1 सितंबर, 2015 को एईआरबी के अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला था। एईआरबी में उनका कार्यकाल जीवंत और गतिशील रहा।

उन्होंने एईआरबी को एक सक्षम, ज्ञान आधारित संगठन बनाने के लिए प्रशिक्षण पर अधिक जोर देकर, समीक्षा और आकलन में मध्यम स्तर के अधिकारियों को शामिल करके इनडोर तकनीकी क्षमताएं विकसित करके कई पहल कीं। विकास / संशोधन के लिए नियामक सुरक्षा दस्तावेजों की पहचान की गई। नियामक गतिविधियों के विकेंद्रीकरण की दृष्टि से, उन्होंने जनशक्ति और बुनियादी ढांचे के संदर्भ में क्षेत्रीय नियामक केंद्रों को मजबूत किया।

श्री भारद्वाज को बोर्ड की बैठक, कार्यकारी बैठक और एईआरबी में 3 जनवरी, 2019 (पूर्वाह्न) को आयोजित विदाई समारोह में सुरक्षा और नियामक क्षेत्रों में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। श्री भारद्वाज ने इस अवसर पर सभी का धन्यवाद किया और इस बात पर जोर दिया कि संरक्षा के क्षेत्र में एईआरबी को सभी

हितधारकों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अगुआ (अंतरराष्ट्रीय स्तर पर) बने रहने की आकांक्षा को जारी रखना चाहिए।

श्री डी. के. शुक्ला, कार्यकारी निदेशक, एईआरबी, श्री जी. नागेश्वर राव, मनोनित अध्यक्ष की उपस्थिति में श्री एस. ए. भारद्वाज, अध्यक्ष, एईआरबी का अभिनंदन करते हुये

श्री एस. ए. भारद्वाज, अध्यक्ष, एईआरबी को पट्टिका भेंट करती हुई श्रीमती शीला मोहन, मुप्रअ, एईआरबी

श्री गुंटूर नागेश्वर राव ने संभाली एईआरबी की बागडोर

एईआरबी के पूर्व अध्यक्ष श्री एस. ए. भारद्वाज की सेवानिवृत्ति के फलस्वरुप श्री गुंटूर नागेश्वर राव ने 4 जनवरी, 2019 को परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला ।

श्री नागेश्वर राव नाभिकीय विद्युत संयंत्र के संचालन और सुरक्षा के क्षेत्र में एक सुप्रसिद्ध विशेषज्ञ हैं और अपने प्रबंधकीय, तकनीकी और प्रेरक कौशल के लिए जाने जाते हैं। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक, श्री नागेश्वर राव ने वर्ष 2014 तक न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) में निदेशक के रूप में कार्य किया था। उन्होंने फुकुशिमा दाइची में परमाणु दुर्घटना के बाद नाभिकीय विद्युत संयंत्रों में संरक्षा प्रवर्तन के समय पर कार्यान्वयन में अग्रणी भूमिका निभाई थी। उन्होंने भारत में परमाणु ईंधन सम्मिश्र एवं भारी पानी बोर्ड सहित नाभिकीय ईंधन चक्र सुविधाओं के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

श्री नागेश्वर राव को विश्व परमाणु संगठन (WANO) से परमाणु उत्कृष्टता पुरस्कार और भारतीय नाभिकीय सोसायटी (INS) से उत्कृष्ट सेवा पुरस्कार सहित कई पुरस्कार मिले हैं।

भर्ती / सेवानिवृत्ति

देश में बढ़ते परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम और बढ़ती विकिरण सुविधाओं के मद्देनजर विभिन्न स्तरों पर और विभिन्न चैनलों के माध्यम से एईआरबी में जनशक्ति को बढ़ाया जा रहा है । एईआरबी की कुल स्वीकृत कार्मिक संख्या 468 है, हालाँकि मार्च 31, 2019 तक की स्थिति के अनुसार एईआरबी में कार्मिकों की कुल संख्या 340 है जिसमें 279 वैज्ञानिक और तकनीकी तथा 61 प्रशासनिक/लेखा/सहायक कर्मचारी शामिल हैं।

जनवरी- मार्च, 2019 की अवधि के दौरान कार्य ग्रहण करने वाले कार्मिक

क्र. सं.	नाम	पदनाम	दिनांक	टिप्पणी
1	श्री गुटुर नागेश्वर राव	अध्यक्ष, एईआरबी	04-01-2019	---

जनवरी- मार्च, 2019 की अवधि के दौरान सेवानिवृत्त/ त्यागपत्र देने वाले कार्मिक

क्र. सं.	नाम	पदनाम	दिनांक	टिप्पणी
1	श्री एस. ए. भारद्वाज	अध्यक्ष	04-01-2019	कार्यकाल समाप्त

फीडबैक

हम अपने पाठकों / हितधारकों से मिलने वाली प्रतिक्रिया का स्वागत करते हैं। यदि आपका कोई प्रश्न अथवा टिप्पणी है तो कृपया हमें एईआरबी के फीडबैक पोर्टल पर भेजें।

एईआरबी न्यूजलैटर में प्रकाशित सामग्री को विधिवत रूप से अभिस्वीकृति प्राप्त करके पुन: मुद्रित या अनुदित किया जा सकता है।

संपादक समिति

श्री सत्यवान बंसल, श्रीमती उमा सरमा, श्री एच.के.कुलकर्णी, श्री वी.वी.राउत श्री सौमेन सिन्हा, श्रीमती सोनल गाँधी, श्री एस.के.प्रधान, श्रीमती एम.वी.इनामदार, डॉ.एस.पी.लक्ष्मणन एवं श्री प्रवीण जे.पाटिल

संपादक

श्री एस.बी.चाफले, निदेशक, आर.एण्ड डी.डी.